सुधार-गृह की खिड़की तोड़कर फरार हुए 22 बाल अपचारी

सोमवार सुबह गैस कटर से खिड़की के एंगल को काटकर भागे

जयपुर (कासं)। ट्रांसपोर्ट नगर में सेठी कॉलोनी स्थित बाल सुधार गृह से सोमवार सुबह लॉरेंस गैंग के बाल अपचारी शूटर समेत 22 बाल अपचारी खिड़की तोड़कर फरार हो गए। इनमें 8 बाल अपचारियों पर दुष्कर्म तथा शेष 13 पर हत्या के प्रयास का केस चल रहा हैं। जबकि एक बाल अपचारी पर हत्या का मुकदमा दर्ज है। गार्ड से जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और इन तमाम बदमाशों की तलाश में जुटी।

पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह 4 से 5 बजे के बीच सभी बाल अपचारी बाल सुधार गृह की खिड़की की जाली काटकर भाग निकले। इसकी जानकारी गार्ड ने पुलिस कंट्रोल रूम को दी। जानकारी के बाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल देखा। नाबालिग बच्चों का रिकॉर्ड पुलिस ने बाल सुधार गृह से ले लिया है। साथ ही नाबालिग के घरों के पास वाले थाने को भी सूचना दी गई है। पुलिस को बाल सुधार गृह की ओर से अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है। पुलिस के अनुसार, ऐसा पहली बार हुआ है जब इतनी बड़ी संख्या में नाबालिग बाल सुधार गृह से एक साथ फरार हुए हो। सभी बाल अपचारी करीब 2 साल से बाल सुधार गृह में रह रहे थे।

■ **फरार हुए बाल अपचारियों पर दुष्कर्म, हत्या और हत्या के प्रयास जैसे मामले दर्ज थे**

अब तक की पुलिस जांच में सामने आया है कि किसी बाहरी व्यक्ति ने नाबालिगों को भगाने की प्लानिंग की है। पहले नाबालिगों ने गैस कटर से खिड़की के एंगल को काटा। फिर जाली काटने के बाद सुबह पागल खाने के रास्ते होते हुए फरार हो गए। सिक्योरिटी गार्ड ने एक बाल अपचारी को भागने के दौरान पकड़ लिया था।

डीसीपी ज्ञानचंद यादव ने बताया कि जानकारी मिलने पर नाबालिगों के घर और संभावित ठिकानों पर पुलिस टीमों को भेज कर जांच कराई जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाए हैं। एक रिपोर्ट लेकर इन नाबालिगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की जाएगी। सभी नाबालिगों के परिवार को जानकारी दे दी गई है। मामले में पुलिस ने एक गार्ड को पूछताछ के लिए पकड़ा है। पुलिस का मानना है कि 22 बाल अपचारियों के भागने की प्लानिंग काफी ज्यादा पुरानी नहीं थी। अंदर के किसी व्यक्ति के द्वारा इसमें सहयोग किया गया था। क्योंकि ग्रिल को अंदर से काटा गया था। अगर ग्रिल को अंदर कटर से काटा तो गार्ड व अन्य को जानकारी मिली होगी। इसी संदेह के आधार पर गार्ड को पूछताछ के लिए पकड़ा गया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक बाल अपचारियों में लॉरेंस गैंग का शूटर भी शामिल है। जी-क्लब फायरिंग मामले का वह बाल सुधार गृह में बंद था। पिछले साल 28 जनवरी को जी क्लब में फायरिंग मामले में जवाहर नगर थाना पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के चार शूटरों को गिरफ्तार किया था। इन बदमाशों ने जी क्लब पर 15 से ज्यादा गोलियां चलाई थी। बदमाश बाइक पर सवार होकर आए थे। वारदात के बाद चारों आरोपी आगरा में जा छिपे थे। चारो शूटर्स ने व्हाट्सएप कॉल करके पहले जी-क्लब के मालिक से एक करोड़ की रंगदारी मांगी थी, लेकिन क्लब मालिक के रंगदारी नहीं देने पर फायरिंग की थी। जब उनको गिरफ्तार कर जयपुर लाया जा रहा था, तब उन्होंने भागने की कोशिश की। इसी दौरान पुलिस की फायरिंग हुई और बदमाशों के पैर में गोली लग गई थी। जी क्लब पर फायरिंग की जिम्मेदारी गैंगस्टर रितिक बॉक्सर ने ली थी। उसने सोशल मीडिया पर धमकी देते हुए कहा कि सबका नंबर आएगा।

जनसंपर्क सेवा के 25 अधिकारियों की पदोन्नति

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार ने आदेश जारी कर जनसंपर्क सेवा के 25 अधिकारियों को पदोन्नत किया है। इनमें संयुक्त निदेशक, उपनिदेशक, सहायक निदेशक और जनसंपर्क अधिकारी शामिल है। आदेश के मुताबिक संयुक्त निदेशक डॉ. राजेश कुमार व्यास को अतिरिक्त निदेशक बनाया गया है। जबकि उपनिदेशक नर्बदा इंदोरिया, मनमोहन हर्ष, हरिओम सिंह गुर्जर, मोतीलाल वर्मा और जसराम मीणा को संयुक्त निदेशक बनाया है। इस संबंध में सोमवार को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव सुनील शर्मा ने आदेश जारी किए है।

आदेश के मुताबिक सहायक निदेशक की जिम्मेदारी संभाल रहे लीलाधर गोयल, विवेक जादौन, डॉ. आशीष खंडेलवाल, गौरीकांत शर्मा, विजय खंडेलवाल, हेमन्त सिंह और मानसिंह मीणा को पदोन्नत करके उपनिदेशक बनाया गया है। इसी प्रकार जनसंपर्क अधिकारी पूनम खंडेलवाल, रितु सोढ़ी, प्रमोद कुमार वैष्णव, भानुप्रताप सिंह गुर्जर, योगेन्द्र शर्मा, आशीष कुमार जैन, सोहन लाल, साक्षी पुरोहित, वीरसेन, धर्मेन्द्र कुमार मीना, विनोद मोलपरिया और सुमन मान्तुवाल को पदोन्नत करके सहायक निदेशक बनाया गया है।

डी.जी-आई.जी. कॉफ्रेंस के दौरान बनी सड़कें एक माह बाद ही उखड़ी

जे.डी.ए. जोन-5 ने सोडाला में चंबल पावर हाऊस और एस.एम.एस. अस्पताल के आसपास बनवाई थी सड़क

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर में 5-7 जनवरी तक हुई डीजी-आईजी कॉफ्रेंस के दौरान जे.डी.ए. ने आनन-फानन में सोडाला चंबर पावर हाऊस और सवाई मानसिंह अस्पताल के आसपास जो सड़कें बनाई थी, वह एक माह बाद ही उधड़ने लगी है। इससे जयपुर विकास प्राधिकरण के इंजीनियर्स की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे है।

दरअसल इस कॉफ्रेंस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई राज्यों के पुलिस महानिदेशक और महानिरीक्षक आए थे। तब जे.डी.ए. के इंजीनियर्स ने रातोंरात कुछ जगहों पर सड़कें बनवाई थी, लेकिन काम इतना घटिया हुआ कि सड़कें एक माह भी नहीं टिक सकी। सोडाला और सवाई मानसिंह अस्पताल के आसपास रहने वाले लोगों ने इसकी शिकायत सिविल लाइंस विधायक से की है। साथ ही घटिया काम करने वाली फर्म को ब्लैक लिस्ट करने की मांग की है।

■ **स्थानीय लोगों ने सिविल लाइंस विधायक को इसकी शिकायत देते हुए फर्म को ब्लैक लिस्ट करने की मांग उठाई**

सूत्रों की मानें तो जयपुर विकास प्राधिकरण के जोन-5 के इंजीनियर्स ने सोडाला में चंबल पावर हाउस के आसपास सड़कें बनाई थी। क्योंकि यहां पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ठहरे थे। जेडीए ने यहां जो सड़क बनाई तो वह 2 दिन बाद ही बिखरना शुरू हो गई थी, धीरे-धीरे सारी सड़क साफ हो गई और मौके पर कंक्रीट बिखरी गई। जिन गड्डों को भरा गया था वो गड्डे अब पहले से भी बड़े हो चुके हैं। इनमें डाली गई डामर अब दिखाई ही नहीं दे रही है।

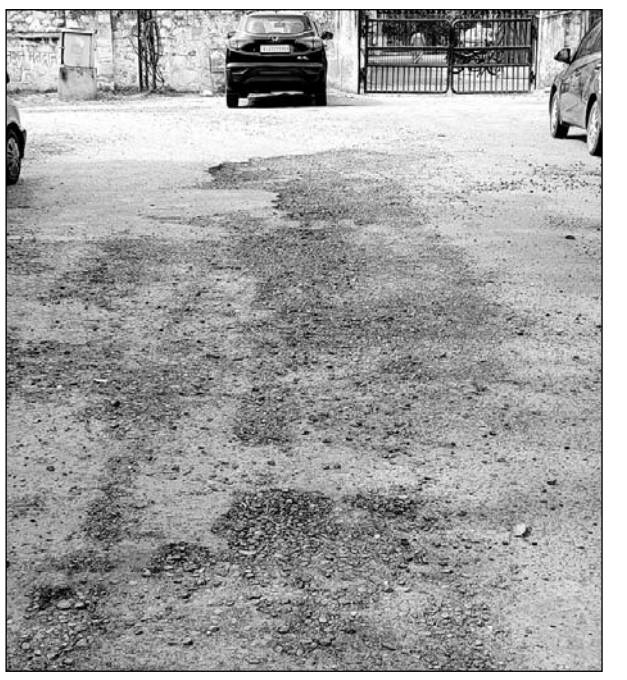

सोडाला में चंबल पावर हाऊस के नजदीक जे.डी.ए. द्वारा पिछले माह बनाई गई डामर रोड पूरी तरह उधड़ चुकी है।

अब यह इलाका खतरनाक एक्सीडेंट जोन बन चुका है। यहां से गुजरने वाले दुपहिया वाहन मोड पर आते ही बिखरी हुई कंक्रीट से स्लिप हो जाते हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि जे.डी.ए. इतना घटिया काम कराता हैं हमने तो सोचा भी नहीं था। पहले यहां पेचवर्क होते देख हमें लगा था कि अब गड्डों से राहत मिल जाएगी, लेकिन वर्तमान में यहां की सड़कों की हालत पहले से भी बुरी हो चुकी है।

स्थानीय लोगों की मानें तो जेडीए की ओर से कराए गए पेचवर्क इतना घटिया था कि उनमें डामर की मात्रा ही नहीं थी। डीजी-आईजी कान्फ्रेंस के दौरान यह काम भी जल्दबाजी में तो कराया ही लेकिन पेचवर्क करने के बाद ढंग से रोलर तक नहीं चलाया गया। सड़क और गड्डों को पहले मोरम डाल कर ना तो भरा गया और ना ही उस पर रोलर चलाया गया। सीधे ही मिट्टी में डामर कर दी गई जो बिखर गई।

इसी तरह सवाई मानसिंह अस्पताल के बाहर सूचना केन्द्र के सामने वाली सड़क पर भी लगभग यहीं स्थिति रही। यहां पर भी जो पेचवर्क और रोडकट पर डामर कराई गई थी, वह पूरी तरह बिखर गई है। सड़क पर मोटे मोटे गड्डे दिखाई देने लगे हैं। यहां पर भी प्रधानमंत्री मोदी के विजिट के दौरान पेचवर्क किए गए थे, जो घटिया निकले। अब जेडीए के इंजीनियर यहां सड़क ठीक करवाए बिना ही फुटपाथ पर सीमेंट की टाइलें लगाने में जुट गए हैं।

ऑटो पलटने से चालक की मौत

जयपुर । गलता गेट थाना इलाके के दिल्ली रोड स्थित खोले के हनुमान मंदिर गेट के सामने रविवार देर रात एक तेज रफ्तार ऑटो डिवाइडर से टकराकर पलट गया। हादसे में ऑटो चालक की मौत हो गई। हादसे की जांच दुर्घटना थाना उत्तर कर रही है। पुलिस ने बताया कि रविवार रात देर एक ऑटो बेकाबू होकर खोले के हनुमान जी मंदिर गेट के सामने डिवाइडर से टकराकर पलट गया था। हादसे में ऑटो चालक घायल हो गया था। घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां पर उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की उम्र करीब 46 साल है। फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो पाई है। मृतक के पास पहचान सम्बंधी दस्तावेज नहीं मिले। ऑटो रिक्शे के नंबरों के आधार पर उसकी पहचान के प्रयास जारी है।

बड़े गैंगस्टर्स को व्यापारियों के मोबाइल नंबर उपलब्ध करवाने वाले दो गुर्गे दबोचे

जयपुर (कासं)। पुलिस मुख्यालय की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने जयपुर कमिश्नरेट के श्याम नगर इलाके में बड़ी कार्रवाई कर स्थानीय पुलिस के सहयोग से बड़े गैंगस्टर्स के दो सक्रिय गुर्गों विचित्र निठारवाल व लेखराज निवासी मौजमाबाद जिला दूदू को पकड़ा है। पकड़े गए दोनों बदमाश बड़े गैंगस्टर को व्यापारियों के मोबाइल नंबर उपलब्ध कराने के साथ कॉल व वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से धमकी दिलाते हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) एवं अपराध दिनेश एमएन बताया कि एजीटीएफ के कांस्टेबल सन्नी कुमार को इन दोनों बदमाशों के बारे में जानकारी मिलने पर आईजी क्राइम प्रफुल्ल कुमार के पर्यवेक्षण एवं एसपी करण शर्मा व एडिशनल एसपी एजीटीएफ विद्या प्रकाश के सुपरविजन एवं एएसआई बनवारी लाल शर्मा के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल मदनलाल, कांस्टेबल जितेंद्र कुमार, अरुण कुमार व कुलदीप सिंह को सूचना की पुष्टि के लिए रवाना किया गया।

सूचना पुख्ता होने के बाद रविवार टीम ने श्याम नगर थाना पुलिस के सहयोग से दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। इन दोनों बदमाशों ने ही एनबीएफसी कंपनी के मालिक श्याम नगर निवासी रविंद्र शर्मा को रोहित गोदारा के नाम से धमकी दिलाने गैंगस्टर को मोबाइल नंबर उपलब्ध कराए। बदमाशों ने कॉल व वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा धमकी दी थी। ए.डी.जी. एमएन ने बताया कि पकड़े गए दोनों बदमाश विचित्र निठारवाल व लेखराज बड़े गैंगस्टर्स को अवैध वसूली के लिए व्यापारियों के मोबाइल नंबर उपलब्ध करा रहे थे। पकड़े जाने से पहले दोनों बदमाश किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे।

इनके विरुद्ध हत्या का प्रयास, लूट, अवैध वसूली एवं बजरी खनन के कई प्रकरण विभिन्न थानों में दर्ज है। श्याम नगर थाना पुलिस द्वारा इन्हें गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। जिसमें अन्य वारदातों के खुलासा होने की पूर्ण संभावना है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवक को कुचला

जयपुर । आदर्श नगर थाना इलाके में स्थित पिंक स्क्वायर मॉल के सामने एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार कानोता निवासी राहुल सिंह अपने दोस्त राजा के साथ बाइक से जयपुर से कानोता जा रहा था। पांच फरवरी की सुबह एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे दोनों घायल हो गए। घायल अवस्था में दोनों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर रविवार रात को राहुल सिंह की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे की जांच दुर्घटना थाना पुलिस कर रही है।

आई.टी. ट्रेड शो 16 फरवरी से

जयपुर । जयपुर में आयोजित हो रहे तीन दिवसीय आई.टी. ट्रेड शो में देश-विदेश की कई नामी उत्पाद और सर्विस देने वाली कंपनियां भाग लेंगी। भारत के बड़े टियर शहरो में जैसे भोपाल, नागपुर, राजकोट, रायपुर, चडीगढ़, इंदौर, सूरत, पूना, अहमदाबाद, भुवनेश्वर आदि शहरों में कंप्यूटर, सर्विलेंस, नेटवर्किंग के आईटी एक्सपो कम्पनी और सरकार के सहयोग से आई टी ट्रेड शो लगते रहते हैं।

राजस्थान के सबसे पहला आईटी ट्रेड शो जयपुर में वर्ष 2008 में भव्य रूप से आयोजित किया था। इस वर्ष भी राजस्थान में नई सरकार का गठन हुआ है और राजस्थान आई.टी. के क्षेत्र में अग्रसर बने और राजस्थान में आई टी ट्रेड का व्यापार ज्यादा से ज्यादा बढ़ सके, इसलिए 16 से 18 फरवरी को 2024 का आयोजन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में करने जा रही है। इस एक्सपो के मुख्य स्पॉन्सर गिकेन कंपनी अन्य स्पॉन्सर में कॉम्प प्रिंट, सेक्वराइट, एच पी, एसर, माइक्रोटेक, लाइनटेक, सर्वरवाला आदि है, इस एक्सपो में करीब 90 से अधिक नामी कंपनिया भाग ले रही हैं, यह कंपनियां अपने उत्पाद के प्रदर्शन के साथ सेवाओं के बारे में भी जानकारी देगी। इस ट्रेड शो के साथ टॉक शो, वर्कशॉप और अवार्ड सेरेमनी भी रहेगी। सरकार के साथ, निजी कंपनिया, अलग अलग ट्रेड के व्यापारी आई टी के क्षेत्र के व्यापार की उन्नति में कैसे राजस्थान को आगे ले जाए, तीनों दिन आई टी वॉइस एक्सपो में 30 से अधिक टॉक शो समेत कई कार्यक्रम होंगे।

प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में 15 फरवरी से निरीक्षण

जयपुर (कासं)। प्रदेशभर में चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग की ओर से 15 से 29 फरवरी तक सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। लक्ष्य के अनुरूप निरीक्षण नहीं करने और निरीक्षण के बाद अस्पतालों की बुनियादी सुविधाओं में सुधार नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध एक्शन लिया जाएगा।

विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने सोमवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चिकित्सा संस्थानों के निरीक्षण एवं 100 दिवसीय कार्य योजना सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य चिकित्सा संस्थानों का सिर्फ निरीक्षण करना नहीं है, बल्कि वहां मिलने वाली सुविधाओं में सुधार कर आमजन को अधिक से अधिक राहत पहुंचाना है। सभी अधिकारी चिकित्सा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करें। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सिंह ने कहा कि सिर्फ बड़े अस्पतालों का ही नहीं, निचले स्तर तक चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया जाए। एक भी संस्थान निरीक्षण से नहीं छूटे। उन्होंने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में साफ-सफाई के लिए क्यू आर कोड सिस्टम को प्राथमिकता के साथ शुरू करें। बायोमैट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से सभी चिकित्सा संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। प्रसव कक्ष एवं टॉयलेट्स साफ-सुथरे हों, ताकि संक्रमण का खतरा नहीं रहे। उन्होंने सैनेटरी नेपकिन के सुरक्षित डिस्पोजल संबंधी जागरूकता के लिए अस्पताल में ऑडियो, वीडियो, पैम्पलेट सहित अन्य आईईसी सामग्री का उपयोग किए जाने पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मेलों के आयोजन आवश्यक रूप से करने के साथ ही कैंसर स्क्रीनिंग के कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। सिंह ने भवन रहित चिकित्सा संस्थानों के लिए भूमि चिन्हीकरण एवं निर्माण कार्यों को गति देने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि अब तक प्रदेश के करीब 51 प्रतिशत चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया जा चुका है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए रैंकिंग सिस्टम भी विकसित किया गया है।

'वही समाज आगे बढ़ता है, जो बालिका शिक्षा को बढ़ावा दे'

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि शिक्षा वही सार्थक है जो लैंगिक विषमताओं को दूर करने वाली हो। उन्होंने कहा कि वही समाज तेजी से विकास की राहों पर आगे बढ़ता है, जहां पर बालिकाओं को शिक्षा के अधिकाधिक अवसर मिलते हैं। उन्होंने सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के इस दौर में उत्कृष्ट पुस्तकों के डिजिटलाइजेशन के लिए वृहद स्तर पर कार्य करने और डिजिटल पुस्तकालयों को जन-जन के लिए उपयोगी किए जाने का भी आव्हान किया है।

मिश्र ने सोमवार को ब्रह्मलीन गौसेवी संत पदमाराम कुलरिया की पुण्य स्मृति में बीकानेर के नोखा में निर्मित प्रेरणालय पदम स्मारक, नवनिर्मित डिजिटल लाईब्रेरी, संग्रहालय, प्रतिमा लोकार्पण और बालिका विद्यालय शिलान्यास समारोह में जयपुर से वर्चुअल जुड़ते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि अपने लिए तो सभी कुछ करते हैं परन्तु जीवन की सार्थकता इसमें हैं कि हम समाज के लिए समर्पण भाव रखते हुए कार्य करें। उन्होंने संत कुलरिया की स्मृति में किए जा रहे समाज सेवा प्रकल्पों की सराहना की।

ऑनलाइन ठग गिरोह के छह शातिर बदमाश पकड़े

जयपुर (कासं)। करणी विहार इलाके में ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए छह बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। यह लोग वेबसाइट में बग (वायरस) डालकर लोगों को झांसे में लेते और फिर मदद करने के बहाने लोगों को लूट लेते हैं। इस गिरोह को दिल्ली में बैठकर एक डिंपल नाम की महिला चला रही थी। फिलहाल मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि सूचना मिली थी कि चित्रकूट सेक्टर तीन के गोविन्द नगर में बने फ्लैट में कम्प्यूटर लगाकर साइबर ठगी की जा रही है। इस पर पुलिस की टीम ने छापेमारी करते हुए गौरव सोनी, दीपक मिश्रा, सागर थापा, हर्ष वर्धन, रोनी और ऐना विल्सन को गिरफ्तार किया। जिन्हें दिल्ली से डिंपल नाम की महिला ऑपरेट कर रही थी। इनके पास से चार लैपटॉप भी मिले हैं। पूछताछ में सामने आया है कि इस कॉल सेंटर से आरोपित और डिंपल किसी भी ऑनलाइन वेबसाइट पर एक छोटा सा बग डाल देते थे। उस वेबसाइट पर कस्टमर के लॉगिन करने पर लैपटॉप-कम्प्यूटर की स्क्रीन फ्रीज हो जाती है। इसी दौरान बग में डाले गए फोन नम्बर कस्टमर के लैपटॉप या कम्प्यूटर की स्क्रीन दिखने लगते हैं। जो यूएस के होते हैं। इन नंबर पर कॉल करने पर कस्टमर उनसे संपर्क हो जाता है। इस पर वह कस्टमर को कंप्यूटर टेक्नीशियन बन कर बात करते हैं। कंप्यूटर ठीक करने के लिए सर्विस चार्ज 199 डॉलर (करीब 16 हजार रुपए) बताते हैं। कस्टमर को वह अमेजन, गूगल पे और पेपाल गिफ्ट कार्ड से पेमेंट करने के लिए बोलते हैं। जिस पर उनके कहे अनुसार कस्टमर उक्त गिफ्ट कार्ड के नम्बर पढ़कर बता देता है। इन नम्बर को उनकी ऑनर डिंपल को बताते हैं। वह कस्टमर को आधा घंटा कम्प्यूटर ठीक करने का बोल कर होल्ड रखते हैं। फिर कहते हैं कि आपका लैपटॉप या कंप्यूटर ठीक हो गया है। असल में वह खराब होता ही नहीं है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों से और भी कई वारदातें खुलने की संभावना जताई जा रही है।

इसी तरह करणी विहार पुलिस ने एप्पल कंपनी की डुप्लीकेट एसेसरीज बनाते चार युवकों बगरू निवासी कमलेश, राकेश चौधरी, बिंदायका निवासी श्रवण व लोकेश को पकड़ा है।

सार-समाचार

रविकाश फाइनेंस की सीकर शाखा शुरू

जयपुर, (का.सं.)। रविकाश फाइनेंसियल सर्विसेज का विस्तार करते हुए सोमवार को सुखी परिवार अपार्टमेंट, सीकर में 16वीं नवीन शाखा का शुभारम्भ किया गया। रविकाश के डायरेक्टर विकास ओझा और रवि ढींगरा ने एक समारोह में फीता काटकर शुभारम्भ किया। रविकाश फाइनेंशियल की सीकर शाखा का नेतृत्व क्लस्टर हेड की भूमिका में सोमेंद्र सिंह राजावत और लोकेशन हेड की भूमिका में कमल शर्मा करेंगे।

मुम्बई मैराथन में 42 कि.मी.दौड़ी भावना

जयपुर । राजधानी जयपुर की भावना पारीक ने टाटा मुम्बई मैराथन में 42 किलोमीटर की दौड़ लगाई। अपने जुनून और एक लक्ष्य को लेकर इस मैराथन मुंबई के साथ-साथ देश-विदेश के रनर्स ने हिस्सा लिया था । पारीक जयपुर की भी कई मैराथन में दौड़ चुकी है और कई रिकॉर्ड भी अपने नाम कर चुकी है। उन्होंने बताया जयपुर के बाहर उनकी पहली मैराथन हैं, जिसे उन्होंने अपने पूरे दिल से भाग लिया। भावना ने वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर विष्णु टांक को अपना मेंटर बताया और कहा मैने उन्ही से रन के बारे कई जानकारियां ली। वे मेरे साथ सेंट्रल पार्क रन करते और मुझे कुछ ऐसी रन से जुड़ी जानकारियां देते, जो मेरे लिया काफी महत्वपूर्ण रही। जिससे मैंने मुंबई में 42 किलोमीटर की फुल मैराथन को 5 घंटे 37 मिनट में पूरा किया। अपने जुनून और अथक प्रयास से मैराथन को सफल पूरा किया। मैराथन में स्वस्थ जागरूकता का सन्देश भी दिया। मैराथन भावना को मैडल देकर सम्मानित किया।

जयपुरिया अस्पताल का निरीक्षण किया

जयपुर । राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने सोमवार को रूकमणि देवी बेनी प्रसाद जयपुरिया राजकीय चिकित्सालय के दवा वितरण केंद्रों एवं सब-स्टोर का निरीक्षण किया। नेहा गिरि ने निरीक्षण के दौरान औषधियों की एक्सपायरी डेट, दवाओं को स्टोरेज करने की व्यवस्था एवं वितरण प्रक्रिया का गहनता से अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पताल में आने वाले रोगियों को दवा वितरण सुगमतापूर्वक किया जाए। दवाओं की समुचित उपलब्धता बनाए रखने के लिए उनकी मांग के प्रस्ताव समय पर बनाकर भेजे जाएं। प्रबंध निदेशक ने दवा वितरण केन्द्रों पर कार्यरत कार्मिकों को ई-औषधि सॉफ्टवेयर एवं औषधियों की एक्सपायरी डेट के संबंध में प्रशिक्षित किये जाने के निर्देश दिए। साथ ही, औषधियों की निर्बाध उपलब्धता रखने, अवधिपार औषधियों का नियमानुसार निस्तारण कराने एवं चिकित्सालय में रखे उपकरणों को तत्काल सही कराने के लिए भी निर्देश दिए। गिरि ने निरीक्षण के दौरान रोगियों एवं परिजनों से बातचीत कर दवाओं की उपलब्धता एवं वितरण के बारे में फीडबैक लिया। अस्पताल में दवा वितरण, भण्डारण एवं कार्मिकों की उपस्थिति सहित अन्य व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। इस अवसर पर अधीक्षक डॉ. महेश मंगल, अतिरिक्त प्रधानाचार्य डॉ. अनिल गुप्ता, उप नियंत्रक डॉ. राकेश हीरावत, मेडिकल कॉलेज औषधि भण्डार गृह जयपुर के प्रभारी अधिकारी डॉ. विद्या प्रकाश मीना उपस्थित रहे।

चार ई-मित्र कियोस्क बर्खास्त

जयपुर । जालसाजी करने एवं फर्जी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वाले जयपुर जिले के चार ई-मित्र कियोस्क हिमांशु साहू (एसवीजी एक्सप्रेस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड), रामस्वरूप शर्मा (अक्ष ऑप्टिफाइबर), अनिल चंदवाड़ा (अक्ष ऑप्टिफाइबर), सुनील प्रजापत (अक्ष ऑप्टिफाइबर) को बर्खास्त किया है। अतिरिक्त कलक्टर अलका विश्नोई ने बताया कि बर्खास्त ई-मित्र कियोस्क मूल निवास प्रमाण पत्रों के आवेदनों में प्रस्तुत दस्तावेजों में जालसाजी कर, फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज लगाते थे।

आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस से 'स्टॉक मार्केट' का अनुमान नहीं लगाया जा सकता : अनिरुद्ध राठौड़

''इन्वेस्टिंग डिकोडेड: सिंपल पाथ टू बिल्डिंग अ पोर्टफोलियो इन मिलियंस'' बुक लॉन्च

जयपुर । इन्वेस्टिंग प्रकृति भविष्यवादी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्तमान और अतीत की जानकारी के सिद्धांतों पर काम करता है और इन्वेस्टिंग और ट्रेडिंग के एल्गोरिदम का अनुमान नहीं लगा सकता।

ए.आई. इन्वेस्टिंग में कार्यों के स्वचालन के लिए एक उपकरण के रूप में मदद कर सकता है, लेकिन यह कोई नॉस्त्रेदमस नहीं है, जो भविष्य बता सके। यह बात पूर्व इन्वेस्टमेंट बैंकर और वित्तीय सलाहकार अनिरुद्ध राठौड़ ने अशोक क्लब में अपनी किताब ''इन्वेस्टिंग डिकोडेड: सिंपल पाथ टू बिल्डिंग अ पोर्टफोलियो इन मिलियंस'' पर बात करते हुए कही। वह शिक्षाविद् आकृति पेरीवाल से चर्चा कर रहे थे।

बुक सैशन का आयोजन मेयो कॉलेज एल्युमनाई एसोसिएशन (जयपुर चैप्टर) और स्टेफ़निनियंस इन राजस्थान (एसआईआर) द्वारा किया गया था। इस अवसर पर एस.आई.आर. के संयोजक, अजय सिंघा और मेयो एल्युमनाई के अध्यक्ष, जगदीप सिंह भी उपस्थित थे। अनिरुद्ध राठौड़, जिनके पास इक्विटी इन्वेस्टमेंट में दो दशकों से अधिक का अनुभव है, ने महामारी के दौरान अपनी पहली पुस्तक लिखना शुरू की थी। उन्होंने कहा कि इन्वेस्टिंग पर इतनी सारी जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद, लोग अभी भी बेसिक्स और बैकग्राउंड से अनभिज्ञ हैं। इस पुस्तक के माध्यम से वह उस अंतर को भरना चाहते हैं, ताकि हर कोई एक अच्छा इन्वेस्टर बन सके। एक इन्वेस्टर के मनोवैज्ञानिक पहलुओं के बारे में बात करते हुए अनिरुद्ध ने कहा कि वित्तीय कुशाग्रता के अतिरिक्त, उसके प्रति मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण को भी अपनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोगों में डर होता है कि अगर वे इन्वेस्ट करेंगे तो उन्हें पैसे का नुकसान होगा, ऐसा इसलिए है क्योंकि उनकी सोच ऐसी विकसित हो चुकी है, विशेष रूप से पूर्वकल्पित धारणाएं।

पूर्व इन्वेस्टमेंट बैंकर और वित्तीय सलाहकार अनिरुद्ध राठौड़ की किताब ''इन्वेस्टिंग डिकोडेड: सिंपल पाथ टू बिल्डिंग अ पोर्टफोलियो इन मिलियंस'' का विमोचन सोमवार को अशोक क्लब में हुआ।

इन्वेस्टिंग में महारत हासिल करने के लिए व्यक्ति को ऐसी धारणाओं के प्रति जागरूक रहना होगा। उन्होंने लोगों द्वारा की जाने वाली विभिन्न गलतियों या इन्वेस्टिंग सिन्स के बारे में और इन्वेस्टिंग शुरू करते समय की गई अपनी गलतियों और प्रयोगों के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। बुक सेशन का समापन क्यू एंड ए सेशन और बुक साइनिंग के साथ हुआ।

अपराधिक गतिविधियों में लिप्त सी.एल.जी. सदस्य हटाए जाएंगे

जयपुर । प्रदेश के विभिन्न पुलिस थानों में लगे हुए सीएलजी सदस्य जो राजनीतिक, अवांछित या आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए जाएंगे, उनकी सदस्यता समाप्त की जाएगी। इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस कम्युनिटी पुलिसिंग बीएल मीणा ने सोमवार को सभी पुलिस अधिकारियों को आदेश जारी किए है।

एडीजी मीणा ने बताया कि समाज में शांति व्यवस्था एवं सद्भाव कायम करने के उद्देश्य से जनता व पुलिस के बीच आपसी सहयोग एवं समन्वय के लिए सामुदायिक संपर्क समूह सीएलजी का गठन किया गया है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस थानों के औचक निरीक्षण के दौरान संज्ञान में आया है कि कुछ सीएलजी सदस्य राजनीतिक, अवांछनीय एवं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त हैं।

मीणा ने बताया कि ऐसी गतिविधियों में लिप्त सीएलजी सदस्यों की सदस्यता पुलिस थानों में होने को पुलिस मुख्यालय ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। इसके लिए सभी रेंज एवं जिलों के पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि अयोग्य सदस्यों को तुरंत ही सीएलजी सदस्यता से मुक्त कर उनके स्थान पर सुयोग्य सदस्यों का मनोनयन किया जाए।

■ **अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक बी.एल. मीणा ने सभी पुलिस अफसरों को आदेश जारी किए**

एडीजी ने बताया कि जिन सीएलजी सदस्यों का कार्यकाल पूर्ण हो चुका है, उनके स्थान पर भी नए सीएलजी सदस्य बनाए जा रहे हैं। इनके मनोनयन में योग्यताओं की पूर्णतया कड़ाई से पालना की जा रही है।

इसके साथ ही सभी पुलिस अधिकारियों को यह निर्देश भी दिए गए हैं कि जिले के समस्त पुलिस थानों में प्रत्येक माह के दूसरे सप्ताह में सीएलजी सदस्यों की मीटिंग आयोजित की जावे। अगर किसी भी कारणवश मीटिंग का आयोजन नहीं हो पाए तो तीसरे सप्ताह में आवश्यक रूप से बैठक आयोजित की जावे।